प्याज में विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व होते मौजूद

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ

डीटीएनएन। कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बदुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में

प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ः19ः19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

साफ सुथरे ढंग से एक परीक्षा नहीं करा पा... 12
योगी सरकार के प्रयास से सब मिलकर फिर करेंगे... 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 250
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
सोमवार | 24 जून, 2024

खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर दी जानकारी

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश क्रम में रविवार को सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान प्याज की नर्सरी जून के अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है। उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं जिसका उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ. सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है व हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53, एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उन्होंने बताया कि उर्वरकों के प्रबंधन के लिये 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम होने पर 19:19:19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी जिससे किसानो को लाभ होगा।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 350 कानपुर, सोमवार 24 जून 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ : राम बटुक सिंह

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10

किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19॰19॰19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

WORLD खबर एक्सप्रेस
www.worldkhabarexpress.media
अपना प्रदेश
कानपुरः रविवार
23 जून, 2024
08
Daily Evening E-Paper

कानपुरःखरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभः डॉ राम बटुक सिंह

प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते हैं

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है।उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून

का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला

दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ग्19ग्19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें।

प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

अंक-114 कानपुर, सोमवार 24 जून 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

उड़ानों का शहर

कानपुर, सोमवार 24 जून 2024

8

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ-डॉ राम बदुक सिंह

आज का कानपुर

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक

हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ग्र19ग्र19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है तब खुदाई कर ले उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

ट्राला और पिकअप की आमने-सामने हुई टक्कर, दो जिंदा जले

आज का कानपुर

कानपुर। ट्राला और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर में

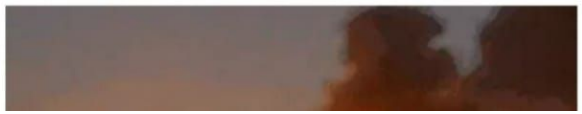

कि दोनों की मौत हो गई है गाड़ी से मांस के जलने की बदबू भी आ रही थी सूचना पाकर

दैनिक

email: shahardayaranews@gmail.com

शहर दायरा न्यूज

हिन्दी/अंग्रेजी द्विभाषीय

https://www.facebook.com/shahardayaranews/

वर्ष 9 अंक: 303 | कानपुर, सोमवार 24 जून 2024 | पृष्ठ: 8 | मूल्य-2.00 ₹

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ-डॉ राम बदुक सिंह

शहर दायरा न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बदुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड

तापमान एवं 70त्न आर्द्रता की आवश्यकता होती है प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई हेतु उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19ः19ः19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है तब खुदाई कर ले उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

आज 24/06/2024 महान

खरीफ में प्याज बोएं, पायें आर्थिक लाभ

जून के अंतिम सप्ताह में लगायें प्याज की नर्सरी

डॉ. राम बटुक सिंह

कानपुर, 23 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह की ओर से जारी निर्देश के क्रम में आज सब्जी अनुभाग कल्याणपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राम बटुक सिंह ने किसानों के लिए खरीफ प्याज की वैज्ञानिक खेती विषय पर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि किसान भाई प्याज की नर्सरी जून अंतिम सप्ताह तक अथवा देर की अवस्था में जुलाई के प्रथम सप्ताह तक डाल सकते है। उन्होंने बताया कि प्याज एक नकदी फसल है। जिसमें विटामिन सी, फास्फोरस आदि पौष्टिक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। प्याज का उपयोग सलाद, सब्जी, अचार एवं मसाले के रूप में किया जाता है। उन्होंने बताया कि हमारे देश में रबी एवं खरीफ दोनों ऋतुओ में प्याज उगाया जाता है। डॉ सिंह ने बताया कि प्याज शीतोष्ण जलवायु की फसल है। हल्के मौसम में इसकी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्याज के अच्छे विकास के लिए 13 से 24 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान एवं 70 प्रतिशत आर्द्रता की आवश्यकता होती है। प्याज के लिए दोमट एवं जलोढ़ मिट्टी जिसमें पर्याप्त कार्बनिक मात्रा एवं उचित जल निकास की सुविधा हो उचित रहती है।उन्होंने बताया कि प्याज की नर्सरी के लिए जून का महीना सर्वोत्तम होता है।एक हेक्टेयर प्याज की नर्सरी के लिए 8 से 10 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। डॉ सिंह ने खरीफ की बुवाई के लिए उन्नतशील प्रजातियों के बारे में बताया कि एन-53,एग्रीफाउंड डार्क रेड, भीमा सुपर, भीमा रेड, भीमा राज, भीमा शुभ्रा और अर्का कल्याण और अर्का निकेतन प्रमुख उन्नतशील प्रजातियां हैं। उर्वरकों के प्रबंधन हेतु उन्होंने बताया कि 250 कुंतल सड़ी हुई गोबर की खाद, 120 किलोग्राम डीएपी, 100 किलोग्राम यूरिया, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट तथा 50 किलोग्राम बेंटोनाइट सल्फर प्रति हेक्टेयर रोपाई के पूर्व खेत में मिला दें। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि यदि ब्याज की वनस्पति की वृद्धि कम हो तो 19-19-19 पानी में घुलनशील उर्वरक 15, 30 एवं 45 दिनों बाद 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन बाद परिपक्व हो जाती है।तब खुदाई कर ले। उन्होंने कहा कि यदि किसान भाई वैज्ञानिक विधि से प्याज की खेती करते हैं तो एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में औसतन 300 से 350 कुंतल प्याज की उपज प्राप्त होगी।जिससे किसान भाइयों को लाभ होगा।

● प्याज की फसल रोपाई के 90 से 120 दिन में हो जाती है परिपक्व